हरिभूमि
भिवानी-दादरी भूमि
रोहतक, सोमवार, 31 मार्च 2025

11 देवसर धाम में नवरात्रि की प्रथम पूजा अर्चना

12 उल्लास कार्यक्रम के तहत कलस्टर में दिखा परीक्षार्थियों का जोश

FINEST INDIAN SWEETS
MURLI®
MADE WITH PURE INGREDIENTS

सवामणी प्रसाद
स्वाद और शुद्धता की नई पहचान
Bhiwani Outlets:
Hansi Gate Near Bank of Baroda, Bhiwani
Halu Bazar Chowk, Bhiwani
प्रसाद एक संवाद
एक सम्पर्ण का प्रतीक
शुद्ध देशी घी से निर्मित
फ्री डिलीवरी
CALL NOW:
9991113248
9991118847-48

नॉन एटेंडिंग बच्चे की हाजिरी लगाने पर होगी कार्रवाई

एकेडमियों पर चलेगा चाबुक, नहीं होगा कोई विद्यार्थी नॉन एटेंडिंग

नए सत्र से चलाएगा शिक्षा विभाग ने एकेडमियों के खिलाफ अभियान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। एकेडमियों के खिलाफ कार्रवाई व सरकारी स्कूलों में दाखिला बढाने को लेकर पत्रकारों से बातचीत करते डीईओ व बीईओ। *फोटो: हरिभूमि*

कुकरमुते की तरह हर गली व कूचे में चल रही एकेडमियों के लिए बुरी खबर। अब शिक्षा के नए सत्र में इन पर चाबुक पड़ने वाला है। कोई भी बच्चा नॉन एटेंडिंग नहीं होगा,बल्कि हरेक बच्चा सरकारी या मान्यता प्राप्त गैर सरकारी स्कूल में हाजिर रहेगा। अगर किसी भी सरकारी या गैर सरकारी स्कूल मुखिया ने इस तरह के बच्चे की हाजिरी लगाई तो सरकारी स्कूल के मुखिया के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी। वहीं गैर सरकारी स्कूल की मान्यता रद्द से संबंधित कदम उठाया जाएगा। शिक्षा विभाग इन एकेडमियों के खिलाफ नए शैक्षणिक सत्र से अभियान का श्रीगणेश करने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि विगत में प्राइवेट स्कूल वैलफेयर एसोसिएशन ने शहर व कस्बों में पनप रही अवैध एकेडमियों के खिलाफ गरजे थे। साथ ही उन्होंने एकेडमियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। बाद में उपायुक्त ने उनकी मांग पूरी करवाए जाने का आश्वासन दिया। तब जाकर प्राइवेट स्कूल संचालकों ने आंदोलन से हाथ वापस खींचा। जिला शिक्षा अधिकारी सुभाश भारद्वाज ने बीईओ के साथ बैठक आयोजित की और शहर में कस्बों में जितनी भी एकेडमी है। उनके खिलाफ अभियान चलाए जाने के निर्देश दिए। इसके लिए अधिकारी ने टीमों का गठन भी करने के निर्देश दिए है।उन्होंने बताया कि किसी भी सरकारी व मान्यता प्राप्त गैर सरकारी स्कूल में नॉन एटेंडिंग विद्यार्थी नहीं होगा। जो बच्चा स्कूल में दाखिल हुआ है तो उस बच्चे को पूरे दिन उसी स्कूल में पढना होगा। स्कूल टाइम में भी स्कूल के सभी पीरियड एटेंड करने होंगे। इस मामले में किसी तरह की कोई ढिलाई नहीं होगी।

एकेडमियों में पढ़ाई का कोई माहौल नहीं

प्राइवेट स्कूल वैलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष रामौतार शर्मा ने बताया कि शिक्षा विभाग की यह एक अच्छी पहल है। एकेडमी संचालक भोले भाले अभिभावकों को गुमराह करके उनके बच्चों को अपने पास दाखिला दे देते है। मोटी फीस वसूली जाती है और बाद में परीक्षा के वक्त उनको किसी दूसरे स्कूल में भेज दिया जाता है या फिर यह कह कर वापस भेजा जाता है कि उनका पंजीकरण नहीं हुआ। साथ ही एकेडमियों में पढाई का कोई माहौल नहीं है। बच्चों का सर्वांगीण विकास तो सरकारी या मान्यता प्राप्त गैर सरकारी स्कूलों में ही होता है। क्योंकि वहां पर पढ़ने के अलावा खेलने की भी सुविधाए व व्यवस्थाए होती है।

सरकारी स्कूल का बच्चा एकेडमी में मिला तो खैर नहीं: डीईओ

जिला शिक्षा अधिकारी सुभाष भारद्वाज ने बताया कि किसी भी सरकारी स्कूल का बच्चा किसी एकेडमी में मिला तो उस स्कूल के मुखिया के खिलाफ कार्रवाई करवाई जाएगी और एकेडमी के खिलाफ भी कार्रवाई होगी। क्योंकि सरकारी स्कूलों में पढाई का बेहतरीन माहौल है। पूरी सुविधाएं दी जा रही है। उन्होंने बताया कि एकेडमी के खिलाफ जल्द ही अभियान छोड़ा जाएगा। वैसे किसी प्राइवेट स्कूल को परेशान नहीं किया जाएगा,लेकिन नियमों के खिलाफ चलता मिला तो उनके खिलाफ भी कार्रवाई संभव है।

स्कूल की मान्यता भी हो सकती है रद्द

डीईओं ने बताया कि जिन स्कूलों ने किसी भी नॉन एटेंडिंग बच्चे की अपने स्कूल में हाजिरी लगवाई तो उस स्कूल के मुखियां के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की जाएगी। जिस मान्यता प्राप्त निजी स्कूल ने इस तरह के बच्चे की हाजिरी लगवाई तो उन स्कूलों की मान्यता को रद्द करने से संबंधित कदम भी उठाया जा सकता है। जल्द ही इसको लेकर अधिकारी अभियान चलाएंगे।

भिवानी। नेटबाल में एक-दूसरे से बाल छीनने खिलाड़ी। *फोटो: हरिभूमि*

हरियाणा ने कनार्टक को 15-10 के अंतर से हराया

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- सब जूनियर राष्ट्रीय मिक्स नेटबॉल चैंपियनशिप के दूसरे दिन भी रहे रोचक मुकाबले

हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन द्वारा कलिंगा स्थित एक निजी स्कूल में आयोजित करवाई जा रही तीन दिवसीय प्रथम सब जूनियर राष्ट्रीय मिक्स नेटबॉल चैंपियनशिप रविवार को दूसरे दिन भी जारी रही।

हरियाणा नेटबॉल एसोसिएशन की महासचिव दहिया ने बताया कि रविवार को हुए मुकाबलों में हरियाणा ने कनार्टक को 15-10 के अंतर से, दिल्ली ने जम्मू-कश्मीर को 18-9 के अंतर से, मध्य प्रदेश ने गोवा को 15-6 के अंतर से, चंडीगढ़ ने झारखंड को 25-4 के अंतर से, हिमाचल प्रदेश ने उत्तराखंड को 10-8 के अंतर से, राजस्थान ने छत्तीसगढ़ को 27-21 के अंतर से, पंजाब ने उत्तर प्रदेश को 28-17 के अंतर से हराकर अगले चरण में प्रवेश किया। उन्होंने कहा कि मिक्स नेटबॉल खेल लोगों समानता और समावेशिता को बढ़ावा देने के लिए महत्वपूर्ण है। इस प्रकार की प्रतियोगिताएं बालक व बालिका को एक साथ मिलकर खेलने का अवसर प्रदान करती हैं, जिससे टीमवर्क, समझ और सहयोग की भावना में वृद्धि होती है।

इस मौके पर टेक्निकल कमेटी चेयरमैन अशोक आनंद, प्रतियोगिता कमेटी संयोजक लक्ष्मण दातीर, श्रीबालाजी स्कूल की संचालिका रेणुका शर्मा आदि मौजूद रहे।

भिवानी। मुख्याध्यापक सज्जन सांगा को सेवानिवृत्ति पर सम्मानित करते राजकीय अध्यापक संघ संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ के पदाधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

30 साल की सेवा के बाद सज्जन सांगा सेवानिवृत्त

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

- कर्मचारी संगठनों ने मुख्याध्यापक सज्जन सांगा को किया सम्मानित

राजकीय अध्यापक संघ संबंधित हरियाणा कर्मचारी महासंघ के जिला महासचिव मौलिक मुख्याध्यापक सज्जन सांगा शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त हो गए। सज्जन सांगा ने शिक्षा विभाग में उन्होंने राजकीय उच्च विद्यालय लेघां में गणित अध्यापक के पद से अपनी सेवाएं शुरू की तथा राजकीय वमा विद्यालय सांगा से मौलिक मुख्याध्यापक के पद से सेवानिवृत्त हुए हैं। निजी रेस्तरां में सेवानिवृत्ति पार्टी में महासंघ से जुड़े कर्मचारी व अन्य संगठनों ने मुख्याध्यापक सज्जन सांगा को सेवानिवृत्ति पर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। अखिल भारतीय राज्य कर्मचारी परिसंघ के सदस्य एवं अध्यापक संघ के प्रदेश प्रवक्ता जयवीर नाफरिया, रोडवेज कर्मचारी यूनियन के राज्य महासचिव जयबीर घणघस, सूरजमल लेघां व मास्टर हरीश गौच्छी ने बताया कि सज्जन सांगा अपने कर्तव्य के प्रति निष्ठावान रहे, वे जिस भी विद्यालय में रहे उनका परीक्षा परीक्षा बेहतरीन रहा। सेवानिवृत्ति सम्मान समारोह में प्राचार्य अशोक पहल, सज्जन सांगा की धर्मपत्नी उर्मिला जांगड़ा, सुरेंद्र शर्मा, रामधन, बलवान, वीरमति, रमेश, परिसंघ के सदस्य एवं अध्यापक संघ के प्रदेश प्रवक्ता जयवीर नाफरिया आदि मौजूद रहे।

DELHI WORLD PUBLIC SCHOOL, BHIWANI
(Under the aegis of Delhi World Foundation, New Delhi)
CBSE Affiliation No. 530718, Devsar Morh, Loharu Road, Bhiwani - 127021
Ph. No. 8685800161, 9350310248
Email: dwps_bhiwani@hotmail.com
Scan the QR code for Prospectus
FREE FOUNDATION SESSIONS BY SPECIAL EXPERTS
IIT JEE, NEET, OLYMPIAD AND NDA with SSB interview tasks
DURING SCHOOL HOURS FROM GRADE 6TH to 12TH
(SPECIAL DESIGNED CURRICULUM)
ADMISSIONS OPEN
Nur. to IX & XI (All streams)
SPECIAL HIGHLIGHTS
Smart Class, AC Class Rooms,
CCTV Surveillance , Atal Tinkering Lab,
Vedic Maths, Robotics Lab, Language Labs,
Mathematics Lab, Phonetics Lab
SPORTS FACILITIES
Gymnastics, Athletics, Cricket, Football,
Skating, Table Tennis, Horse Riding,
Basket Ball, Archery Indoor Games & Yoga

Position available
ADMIN ROLES : P.A. to Principal (1), Front Desk Officer (1),
ACADEMIC EXPERTS : PGT: Biology, English, Psychology and History.
TGT- English, Computer Science. PRT- 2
CBSE Coordinator, Social Media Manager,
Store Incharge.
Qualification : As per CBSE norms
Experience : Minimum 3 years.

Apply now !
Proficiency in English is must. Salary is no bar for deserving candidates.
Apply within 10 days of advertisement. Share your C.V. on dwps_bhiwani@hotmail.com
Only selected candidates will be called for an interview.

अवैध माइनिंग एवं ओवरलोड को लेकर प्रशासन सख्त, जांचे वाहन

- माइनिंग जॉन का निरीक्षण किया, 150 वाहनों की जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭चरखी दादरी

चरखी दादरी। माइनिंग जोन का निरीक्षण करते अधिकारी। *फोटो: हरिभूमि*

दादरी जिला में अवैध माइनिंग और ओवरलोड को लेकर जिला प्रशासन सख्त हो गया है। रविवार को खनन अधिकारियों ने पहाड़ी क्षेत्र में माइनिंग जॉन का निरीक्षण किया। उन्होंने पहाड़ में ब्लास्टिंग और क्रेशर पर लोड होने वाले गाड़ियों पर नजर रखी। पिछले तीन दिनों में जिला व मुख्यालय की टीम द्वारा खनिज से भरे 150 वाहनों की जांच की।

जिला खनन अभियंता डॉ. राजेश कुमार ने बताया की महानिदेशक के एम पांडुरंग के निर्देशानुसार मुख्यालय की टीम निरीक्षण के लिए पहुंची जोकि लगातार खनन को लेकर नजर रखे हुए है। खनन अभियंता संजय संभरवाल के नेतृत्व में टीम ने अवैध खनन व परिवहन की चेकिंग की गई। चेकिंग के दौरान मुख्यालय की टीम ने खनिज से भरे वाहनों के ई रवाना बिल चेक किए व जिला में खनिज की खदानों पर औचक निरीक्षण किया। खदान संचालकों को खनन कार्य खनन नियमानुसार करने को दिशा निर्देश दिए व जिला खनन अभियंता डॉ. राजेश कुमार को जिला प्रशासन से तालमेल करते हुए अवैध खनन व अवैध खनन परिवहन की रोकथाम हेतु लगातार निरीक्षण व कानूनी कार्यवाही जारी रखने बारे निर्देश दिए।

आदर्श ब्राह्मण सभा ने नए सदस्यों को किया सम्मानित

भिवानी। आदर्श ब्राह्मण सभा द्वारा विक्रम संवत 2082 के पावन अवसर पर आस्था स्पेशल स्कूल के प्रांगण में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। सम्मान समारोह की अध्यक्षता सभा के अध्यक्ष सुभाष शर्मा कायला ने की। आदर्श ब्राह्मण सभा में शामिल होने वाले नए नारायण दत्त फौजी, रघुवीर शर्मा, मदनलाल शर्मा, राजेंद्र शर्मा, सुरेश शर्मा, डॉ तरुण कुलश्रेष्ठ एवं महिला सदस्य आशा शर्मा को स्मृति चिन्ह सहित प्रमाण पत्र देकर देकर सम्मानित किया। सुभाष शर्मा ने विक्रम संवत 2082 पर कहा कि भारतीय संस्कृति के अनुसार नव वर्ष का आगाज चैत्र मास के प्रथम नवरात्र से होता है इसका ज्ञान आज बहुत कम युवाओं को है। क्योंकि आजकी युवा पीढ़ी पाश्चात्य के प्रभाव में पडने से उनकी सोच में बदलाव आ चुका है।

किरण चौधरी ने पंचायतों से किया आह्वान

युवा पीढ़ी को खेलों के प्रति करें जागरूक

- भीम खेल परिसर में राज्य सभा सांसद किरण चौधरी ने ग्राम पंचायतों को वितरित किया खेलों का सामान

हरिभूमि न्यूज ⏭भिवानी

भिवानी। ग्राम पंचायतों को खेल का सामान वितरित करते हुए। *फोटो: हरिभूमि*

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने जिलेभर की सभी ग्राम पंचायतों का आह्वान करते हुए कहा कि वे युवा पीढ़ी को किसी भी प्रकार की नशे की लत से दूर करने के लिए उनको खेलों के प्रति प्रेरित करें। खेलों से जीवन में प्रतिस्पर्धा की भावना आती है और स्वर्गीण विकास होता है। प्रदेश सरकार की बेहतर खेल नीति के कारण आज हमारे खिलाड़ी दुनिया में नाम रोशन कर रहे हैं। राज्यसभा सांसद चौधरी रविवार को भीम खेल परिसर में खेल उपकरण प्रावधान योजना के तहत आयोजित खेल सामान वितरण कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि विश्व में भिवानी को खेलों के क्षेत्र में मिनी क्यूबा के नाम से जाना जाता है।

खिलाड़ियों ने किया विश्व में नाम रोशन

विधायक घनश्याम सर्राफ ने कहा कि भिवानी के खिलाडियों ने दुनिया में अपना नाम रोशन किया है। खिलाडियों को किसी प्रकार की समस्या का सामना नहीं करने दिया जाएगा। उनका हरसंभव प्रयास रहेगा कि खिलाड़ियों की हर प्रकार की जरूरत को पूरा करवाया जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शहरों की तर्ज पर गांव में खेल सुविधाएं मुहैया करवाई जा रही हैं। गांव में खेल स्टेडियम और व्यायामशालाओं का निर्माण करवाया जा रहा है।

मृत्यु तो प्रभु का आमंत्रण है। जब वह आए तो द्वार खोलकर उसका स्वागत करो और चरणों में हृदयधन सौंपकर अभिवादन करो।
- रविंद्रनाथ टैगोर

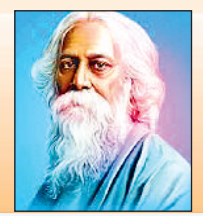

अंधेरी सुनसान रात में ऊपर से लेकर नीचे तक पसीने से नहाए उसके कदम लड़खड़ाकर, गिरने को हो गए। लेकिन तभी साये की मजबूत बांहों ने उसे कसकर थाम लिया तथा गिरने से बचा लिया। इस अकस्मात मदद से कुछ क्षण के लिए उसकी सांसें रुक गई तथा आंखों के आगे अंधेरा छा गया। इस घुप्प अंधेरे में साये की बाहों के मजबूत बंधन में उसे केवल वहशीपन की बू आ रही थी।

कहानी
अर्चना कोचर

शुभरात्रि

दफ्तर से घर के रास्ते में अचानक कैब खराब हो गई। रात बड़ी अंधियारी और सड़क बिल्कुल सुनसान थी। घर और रास्ते की दूरी लगभग बीस किलोमीटर थी। भाई और पापा दोनों शहर से बाहर गए हुए थे। और-तो-और इंटरनेट भी गायब था। संध्या बदहवास सड़क पर पैदल पागलों की भाँति भागी जा रही थी और साथ-साथ चल रहा था वह घुप्प अंधेरा। तभी उसे ऐसा आभास हुआ जैसे कोई साया उसके साथ-साथ चल रहा है। परछाई होगी, समझ कर नजरअंदाज कर दिया। लेकिन तभी वह साया बिल्कुल करीब आ गया।

यह मन का वहम नहीं, अपितु हकीकत है। डर के मारे उसकी घिग्घी बंध गई। अंधेरी सुनसान रात में ऊपर से लेकर नीचे तक पसीने से नहाए उसके कदम लड़खड़ाकर, गिरने को हो गए। लेकिन तभी साये की मजबूत बांहों ने उसे कसकर थाम लिया तथा गिरने से बचा लिया। इस अकस्मात मदद से कुछ क्षण के लिए उसकी सांसें रुक गई तथा आंखों के आगे अंधेरा छा गया। इस घुप्प अंधेरे में साये की बाहों के मजबूत बंधन में उसे केवल वहशीपन तथा कंचे सी चमकती आँखों से वासना की बू नजर आ रही थी। तभी सुनसान को चीरती उसकी मधुर तथा धीमी आवाज, 'आप ठीक तो हैं।' संध्या ने मौन तथा सहज होते हुए स्वयं को उसके बंधन से आजाद किया। उसका वहीं सवाल फिर से, 'आप ठीक तो हैं।' संध्या ने बड़े धीमे से - हाँ, बोला। अब वह साया कदम-से-कदम मिलाकर उसके साथ-साथ चलने लगा। संध्या तेज-तेज कदमों से जितना दूर होने का प्रयास करती, वह उतना करीब आता जा रहा था। मानो संध्या के कदमों की गति से अपने कदमों के सुर-ताल मिला रहा हो। उसने फिर से सुनसान को चीरते हुए - 'इस वक्त इस सुनसान सड़क पर अकेले कैसे ?

डर के मारे संध्या के स्वर नहीं निकल पा रहे थे। उसके भय और चुप्पी को भांपकर उसने ढांढस बंधाते हुए - 'आप डरिए नहीं, इतनी सुनसान सड़क पर अकेली कैसे', लगती तो आप किसी सभ्य घर से है' ?

डर के मारे संध्या के होठ सिल गए, जिह्वा तालू से चिपक गई, शब्द कंठ तक तो आ रहे थे, लेकिन निकल नहीं पा रहे थे। वह बस बदहवास भागी जा रही थी। जैसे बीस किलोमीटर की दूरी दो ही मिनट में पूरी कर लेगी। वह जिस तरह से साथ-साथ चल रहा था, उसके हैवान होने का शक संध्या के दिमाग पर उतना ही गहराता जा रहा था। अपने पर काबू पाकर वह सिर्फ दो ही शब्द बोल पाई - 'आप यहाँ से जाइए, मैं अपने-आप चली जाऊँगी।' उसने कहा - 'सड़क सुनसान है, घुप्प अँधेरा है, शहर यहाँ से लगभग बीस किलोमीटर की दूरी पर है। इस समय सड़क पर शायद ही कोई वाहन मिले। 'संध्या ने फिर से हिम्मत बटोरकर - "बोला ना, आप जाइए! मैं चली जाऊँगी।" उसने कहा, "आगे थोड़ा जंगल का रास्ता है। इस समय जंगली जानवरों तथा अराजक तत्वों का खतरा होता है। आपके लिए अकेले वहां जाना सुरक्षित नहीं है।" संध्या ने मन-ही-मन, 'मैंने तुम्हारी आँखों में हैवानियत पढ़ ली है। अपने-आप को बड़े औरत के रखवाले और परम हितैषी समझते हो। मर्द परम हितैषी बनकर ही तो औरत को धोखा देते हैं। मैं तुम्हारे झांसे में नहीं आने वाली हूँ। क्यों उल्लू बना रहो' ?

संध्या उससे जितना दूर भागने की कोशिश करती, वह उतना ही उसके साथ-साथ हो लेता। उसने फिर वहीं बात दोहरा दी - 'आपने अपना नाम नहीं बताया, इस सुनसान सड़क पर कैसे'?

'संध्या तुतलाते हुए - 'संध्या, कैब खराब हो गई थी'। फिर एकदम से चिल्लाकर - 'बस बता दिया सब कुछ', अब आप मुझे मेरे हाल पर छोड़कर यहां से जाइए।

संध्या के अचानक चिल्लाने से वह मुस्कुरा पड़ा और कंचे की तरह गोल घूमती मोटी-मोटी आंखों से उसे घूरने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे वह अभी कपटी बाज की तरह उस पर झपटेगा और भूखे भेड़िए की भांति उसके जिस्म के टुकड़े-टुकड़े करके नोच डालेगा। वह भय के मारे बेहताशा भागने लगी, लेकिन उसने, उसके पीछे भागकर उसे पकड़ लिया और बाहों के पाश में भरकर अपने रुमाल से माथे का पसीना पोंछते हुए - 'आराम से चलिए, घबराइए नहीं।' संध्या फिर से चिल्लाते हुए - 'आप मेरे पीछे क्यों पड़े हैं', जाते क्यों नहीं? मुझे मेरे हाल पर छोड़िए और जाइए यहाँ से। मैं आप जैसे चालबाज लुटेरों को बड़े अच्छे से जानती हूँ। पहले किसी की मजबूरी पर हमदर्दी जताकर विश्वास हासिल कर लेते हो, फिर सब कुछ लूटकर चलते बनते हो।' वह फिर मुस्कुराते हुए - "संध्या जी मेरा नाम गौरव है।" उसने चिढ़ते हुए - "गौरव-सौरव या कुछ और, फिर मैं क्या करूं ?" वह ढिठाई से मुस्कुराते हुए - 'जी पक्का-पक्का गौरव ही है। 'अब पकड़म-पकड़ाई और नोकझोंक में काफी समय हो गया था। आगे का रास्ता सुनसान, अँधकारमय तो था ही, साथ में गहरे जंगल से घिरा था। संध्या के पास भी उसके साथ चलने के अलावा कोई चारा नहीं था। अतः उसने भी मन के भय को खत्म करके सहज होकर उसके साथ चलने में ही अपनी भलाई समझी। अब न वह कुछ बोला और न ही संध्या। वह दोनों चुपचाप रास्ते की दूरी नाप रहे थे। संध्या बीस किलोमीटर के रास्ते को कदमों से नाप रही थी और वह कदम-से-कदम मिलाकर उसका साथ निभा रहा था। पीछे से गाड़ी का हॉर्न सुनकर, अपने पास रुकता देख संध्या डर के मारे लड़खड़ा गई।

गौरव उसका हाथ पकड़कर उसे सड़क के किनारे ले आता है। तभी गाड़ी उनके पास आकर रुकती है और दरवाजा खुलता है। अंदर दो जन - एक ड्राइवर की सीट पर तथा एक पीछे बैठा था। गौरव उसे अंदर बैठने के लिए बोलता है, लेकिन वह चिल्लाना शुरू कर देती है - 'मैं आप जैसे कपटी-दगाबाज लोगों को बड़े अच्छे से जानती हूँ, पहले विश्वास जमाते हो, फिर गैंग में लूटते हो।' उसने मुस्कुराकर विनयपूर्वक उसे फिर से अंदर बैठने के लिए कहा। लेकिन संध्या के जोर-जोर से चिल्लाने पर गौरव ने उसके मुँह पर हाथ रखकर, उसे धक्का देकर गाड़ी के अंदर बैठा दिया। फटाफट दरवाजें बंद किए और गाड़ी चल पड़ी। संध्या बेचैन कभी भगवान को याद करती, कभी अपनी फूटी किस्मत को, 'इस कैब को भी आज ही खराब होना था, जब घर पर कोई नहीं है। आज तो तू लुटी-ही-लुटी या तो तेरा राम-नाम सत होगा या ताउम्र बदचलन, बेहया का ठप्पा और मीडिया की बेचारी बनी-बनी न जाने कहाँ-कहाँ मशहूर हो जाएगी?' तभी गौरव ने पूछा - 'कहां जाना है आपको?' संध्या की डर के मारे जुबान निकल ही नहीं रही थी। ऐसा लग रहा था जैसे उसने कुछ बोला है और इन्हें सुनाई नहीं दिया। गौरव ने फिर जोर से पूछा - "संध्या जी, मैं पूछ रहा हूँ, आपका घर कहां पर है ?" संध्या कुछ जवाब देती इससे पहले ही ड्राइवर - 'साहब, मैं तो गाड़ी फैक्ट्री के गैराज से निकालने गया था, इतनी देर में आप न जाने कहां गायब हो गए। मैं और सौरव साहब (पीछे बैठा व्यक्ति शायद गौरव का भाई होगा) बड़ी देर तक आपको फैक्ट्री के अंदर-बाहर ढूंढते रहे। आप फोन तो वहीं छोड़ आए और गाड़ी की चाबी भी साथ ले आए थे।

तभी गौरव जेब टटोलते हुए - 'ओह! बस वैसे ही पैदल चलने का मन हो आया था।' सौरव- 'गौरव, ऐसे कैसे तुम एकदम सुनसान सड़क पर अकेले पैदल बिना कुछ बताए चाबी जेब में डाले निकल आए' ? 'यह तो शुक्र है आज दूसरी गाड़ी फैक्ट्री में खड़ी थी और हम निकल आए। तुम्हें पता है यह जंगल का रास्ता कितना सुनसान और खतरनाक है। अकेले और पैदल यहां कितनी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। भाई दो-चार किलोमीटर हो तो पैदल की सोचते, पूरा बीस किलोमीटर, वो भी जंगल, खतरों के खिलाड़ी बनने का इरादा है क्या?

गौरव - हूं। संध्या मन-ही-मन शायद मुझे सुनसान सड़क पर पैदल चलता देखकर यह साया मेरी हिफाजत में मेरी और आया होगा। तभी संध्या हिम्मत करके - 'गौरव जी, मुझे बस्तीपुरा जाना है।' गौरव ने ड्राइवर को गाड़ी बस्तीपुरा में घुमाने को बोला। बस्तीपुरा पहुंचकर संध्या को उसके घर के बाहर गेट पर उतारते हुए- अभी संध्या अपनी कृतज्ञता प्रकट करने ही वाली थी कि गौरव एकदम से मुस्कुरा कर - 'संध्या जी, सारे राहगीर चालबाज, भेड़िए और लुटेरे नहीं होते हैं। अच्छा चलते हैं, शुभरात्रि !

संध्या के अचानक चिल्लाने से वह मुस्कुरा पड़ा और कंचे की तरह गोल घूमती मोटी-मोटी आंखों से उसे घूरने लगा। ऐसा लग रहा था जैसे वह अभी कपटी बाज की तरह उस पर झपटेगा और भूखे भेड़िए की भांति उसके जिस्म के टुकड़े-टुकड़े करके नोच डालेगा। वह भय के मारे बेहताशा भागने लगी, लेकिन उसने, उसके पीछे भागकर उसे पकड़ लिया और बाहों के पाश में भरकर अपने रुमाल से माथे का पसीना पोंछते हुए - 'आराम से चलिए, घबराइए नहीं।' संध्या फिर से चिल्लाते हुए - 'आप मेरे पीछे क्यों पड़े हैं', जाते क्यों नहीं? मुझे मेरे हाल पर छोड़िए और जाइए यहां से। मैं आप जैसे चालबाज लुटेरों को बड़े अच्छे से जानती हूं। पहले किसी की मजबूरी पर हमदर्दी जताकर विश्वास हासिल कर लेते हो, फिर सब कुछ लूटकर चलते बनते हो।'

कविता
डॉ. बबिता सिंह

जीवन

इंद्रधनुषी सतरंगी
झिलमिल हो नभ पंथ
कनक थाल में मेघ सजा हो
हो जीवन उद्धार प्रिय।

सुरमई शाम
आँगन में दीप
नूपुर की रुनझुन से ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अंतर्मन भर पुलक
अरुण का सूर्य कलश
पाँव में महावर हो ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अलि गूँजित मधुवन
सुधि से सुरभित स्नेह
स्पंदन ले अंक में ,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

चिर अनमोल बंधन
प्रेम की परिधि
सागर की मोती सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

अंबर में विद्युत
उर में है बादल
साँसों के सौरभ-सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

मधुरता अलक्षित
स्वर्ग सा श्रृंगार
संगीत की झंकार से
हो जीवन उद्धार प्रिय।

पवन हौले मृदुल
पावस का पलक डोल
तारों की चाँदनी-सा,
हो जीवन उद्धार प्रिय।

ग़ज़ल
कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

इस ज़मीं का आदमी

इस जमीं का आदमी जब से खुदा होने लगा।
जन्दिगी का जायका ही बदमजा होने लगा।

ये अमन के पोस्टर जब से लगे हैं शहर में,
हर गली, हर मोड़ पर एक हादसा होने लगा।

आदमी शायद अजायबघर में ढूंढा जाएगा,
गर शहर में आए दिन ये सिलसिला होने लगा।

बढ़ गये नाखून,जबड़ों से टपकता है लहू,
आजकल के आदमी को जाने क्या होने लगा।

रोशनी देने के बदले घर जलाते हैं चिराग़,
अब शहर में जंगलों सा वाकया होने लगा।

ग़ज़ल
पं. कमल कांत भारद्वाज

असली मुखौटा

सब कुछ बता दिया मेरा हाथ देख कर
ये सब बताया उसे मेरे साथ देखकर

मैं अकेला ही लड़ लूँगा अपने मुक़द्दर से
मुझे संभल जाना चाहिए दुश्मन की चाल देखकर

वो आया था मुझे मिलने मेरे सायबान में
वापस लौट गया मेरा हाल बेहाल देखकर

ये सब जैसे दिखते हैं तुम्हें वैसे है नहीं
चेहरों पे नक़ाब डाल लेते हैं माहौल देखकर

किसे बतायें 'कमल' फ़लसफ़े अपनी ग़ुरबत के
अपनो ने ही ख़ंजर चला दिया बदहाल देखकर

कविता
राजेश भारती

एक दिन

एक दिन ऐसे ही बादल छूकर चला गया
धूप पत्तों पर ठिठकी, फिर लौट आई
हवा में गुनगुनाहट सी बिखर गई

सुबह की चाय में धुआँ उड़ा
खिड़की से झाँकती थी नन्ही चिड़िया
एक दिन ऐसे ही वक्त नर्म हो गया

गली के बच्चों की हँसी गूँजी
पेड़ की डाल पर सूरज झूलता रहा
मैंने चुपचाप समय को थाम लिया

शाम ने आकाश को गुलाबी रंग दिया
नदी किनारे चुपचाप लहरें सो गईं
एक दिन ऐसे ही दिल हल्का हो गया।

कविता
इन्दू घणघस

पापा

उठते थे सवेरों से पहले,
सांझ को भी कहा चयन पाते थे।
मेरे कल की खातिर
अपने आज को भूल जाते थे।

सफलता की थपकी
विफलता का कंधा थे।
अंधेरी काली रात का,
चमकता चंदा थे।

बड़े सादे ख्याल थे उनके,
बड़ी सादि जिंदगानी थी।
अब तो ढल गया वो चांद,
उसकी चमक बड़ी नूरानी थी।

साहित्य को समाज का दर्पण बताते हुए साहित्यकार कृष्ण लाल का कहना है कि आज के बदलते परिवेश में साहित्य की स्थिति चुनौतीपूर्ण है, जिसमें युवाओं में साहित्य के प्रति रुचि बेहद कम होना चिंता का विषय है। हर कोई गूगल या अन्य आधुनिक डिवाइसेज पर विश्वास करके पुस्तकों के पढ़ने में कम रुचि दिखा रहा है। साहित्य सर्जन के प्रति प्रेरित करने के लिए प्राइमरी स्कूल स्तर पर ही अथक प्रयास करने होंगे।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

प्रकृति व मानव के बीच दूरियां मिटाने में अहम साहित्य: कृष्ण

साहित्य और संस्कृति का समाज को नई दिशा देने में अहम योगदान माना गया है। इसी मकसद से लेखक, साहित्यकार एवं कलाकार अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में शुमार कृष्ण लाल गिरधर ने साहित्यिक सफर में हिंदी, अंग्रेजी और हरियाणवी भाषा में अपनी कविताओं और आलेखों के माध्यम सामाजिक सरोकार से जुड़े मुद्दों को उजागर कर लोकप्रियता हासिल की है।

शिक्षाविद्, साहित्यकार एवं कवि कृष्ण लाल गिरधर ने हरिभूमि संवाददाता से बातचीत के दौरान कुछ ऐसे अछुए पहलुओं को उजागर किया है, जिसमें साहित्य के जरिए प्रकृति और मानव के बीच में बढ़ती दूरियां मिटाना संभव है। वरिष्ठ साहित्यकार कृष्ण लाल गिरधर का जन्म 12 सितंबर 1961 को रोहतक के निकटवर्ती गांव मदीना में मनोहर लाल और मीराबाई के घर में हुआ। पिता एक दुकानदार थे। गांव में ही खेतों खलियान के बीच प्रकृति की गोद में बचपन बीता और उनकी प्राथमिक शिक्षा दीक्षा हुई। राजकीय उच्च विद्यालय मदीना से उन्होंने मैट्रिक पास की और हिंदू कॉलेज रोहतक से 1981 में बी.ए. की परीक्षा पास करने के बाद सर छज्जू राम कॉलेज हिसार में बी.एड.में दाखिला लिया। सन 1982 में बतौर गणित अध्यापक के रूप में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल निदाना, साल 2002 में राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल सांपला और साल 2005 से सितंबर 2019 (सेवानिवृत्ति) तक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मदीना में कार्यरत रहे। करीब बीस साल उन्होंने अंग्रेजी मास्टर ट्रेनर के रूप में कार्य किया।

अध्यापन के दौरान उन्होंने एम.ए.(पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन), एम.ए.(अंग्रेजी) और एमएड. की परीक्षाएं महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी रोहतक से उत्तीर्ण की। दरअसल उनका परिवार भारत विभाजन के बाद अमृतसर और उसके बाद कुरुक्षेत्र से जिला रोहतक में आकर बस गया। उनके परिवार में किसी प्रकार का कोई साहित्यिक माहौल नहीं था। सन 1978 में कॉलेज समय के दौरान उन्होंने पहली कविता लिखी और हिंदू कॉलेज रोहतक की तरफ से उन्होंने गॉड कॉलेज रोहतक में काव्य पाठ प्रतियोगिता में भी हिस्सा लिया। एक घटना का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि जब वह अंग्रेजी परीक्षा की तैयारी अपने गांव के पास नहर पर स्थित एक पेड़ के नीचे बैठकर कर रहे थे कि अचानक लगभग 5 फीट लंबा कोबरा सांप उनके सामने से गुजरा और सीधा नहर से पानी पीकर वापस उनके आगे से ही गुजर गया, लेकिन उसने उसे कोई हानि पहुंचाई। बकौल कृष्ण लाल, यहां से उन्हें एक संदेश मिला, जो कि जॉन मिल्टन ने भी कहा कि वह अंधा हो गया है, लेकिन परमात्मा ने उन्हें लेखन कार्य दिया है वह तो उन्हें करना ही पड़ेगा, वरना आगे उसके दरबार में वह क्या जवाब देगा। इस प्रकार उन्हें अंदर से ही एक प्रेरणा मिली और फिर कलम उठाकर लिखना शुरू कर दिया। उन्होंने बताया कि सबसे पहले सन 1995 में राज्य शिक्षक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम के जनसंख्या विभाग में मेरी दो हिंदी कविताएं प्रकाशित हुई। मार्च 2007 में 'मैं विकलांग नहीं हूं' शीर्षक कविता प्रकाशित हुई। साहित्यिक साधना में उनकी रचनाओं का फोकस पर्यावरण, सामाजिक कुरीतियों, मनुष्य का व्यवहार, मानवता, दया, सत्य, प्रेम करूणा आदि के भाव रहे है। अभी तक लगभग 60 हिंदी कविताएं प्रकाशित हैं और 100 कविताओं के कविता संग्रह पर काम जारी है। हरियाणवी भाषा में भी उन्होंने करीब 67 कविताएं लिखी, जिनमें से एक है 'शहर मह ताईं' जो कि पर्यावरण पर कुठाराघात है, जो एनसीईआरटी गुड़गांव में भाषा प्रशिक्षण सेमिनार में सन 2005 में प्रस्तुत की गई। साहित्य साधना के अलावा कृष्ण लाल सामाजिक सेवा में भी सक्रिय हैं, जिन्होंने कोरोना काल के दौरान अज्ञात किडनी रोगी को स्वैच्छिक प्लाज्मा दान करके मानवीय भाव को प्रकट किया और समाज को जागरुकता के लिए महामारी के दौर में प्रकृति पोषण और मनुष्य और प्रकृति को लेकर कविताएं भी लिखी। भारत विकास परिषद जैसी सामाजिक संस्थाओं से जुड़े कृष्णलाल के लेख, कविताएं और विभिन्न पत्रिकाओं में भी प्रकाश होते आ रहे हैं।

प्रकाशित पुस्तकें

साहित्यकार कृष्णलाल गिरधर की प्रकाशित अंग्रेजी भाषा की छह पुस्तकों में फीलिंग फेदर्स, लाइफ (लिव, लव, लाफ़), लव एंड पीस तथा मी एंड माई अनसैड फिलिंग्स सुर्खियों में हैं। वहीं उनकी दो पुस्तकें नेचर नचर्स और मैन एंड नेचर कोरोना काल के दौरान लिखी गई, जबकि दो पुस्तकें महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय रोहतक से संबन्धित प्रकाशित हुई हैं। इसके अलावा उन्होंने हिंदी साहित्य में करीब सौ कविताएं लिखी, जिनका संग्रह जारी है। उन्होंने 67 कविताएं हरियाणवी में लिखी हैं।

कृष्ण लाल गिरधर

पुरस्कार व सम्मान

साहित्यकार कृष्ण लाल गिरधर को उनकी पुस्तक पर मेघालय के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक से राज्यपाल पुरस्कार मिल चुका है। वहीं उन्हें अंतरराष्ट्रीय अंग्रेजी साहित्य के करीब 75 सम्मान पत्र (सर्टिफिकेट) मिले हुए हैं। हरियाणा साहित्य अकादमी से भी उन्हें पुस्तक मी एंड माई अनसैड फिलिंग्स के लिए पुरस्कृत किया गया। हरियाणा राज्य शिक्षण एवं प्रशिक्षण परिषद गुरुग्राम ने भी उन्हें प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : कृष्ण लाल गिरधर
जन्मतिथि :12 सितंबर 1961
जन्म स्थान : गांव-मदीना (रोहतक)
शिक्षा : एम.ए. (अंग्रेजी),एम.ए. (पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन),एम.एड
संप्रति : सेवानिवृत्त प्रवक्ता (अंग्रेजी), लेखक, साहित्यकार, कवि

ऊर्जा देती है 'नई सोच के नये पंख'

पुस्तक समीक्षा
शशि कांत चौहान

पुस्तक: नई सोच के नये पंख
कवि : हरीश चंद्र झंडई
मूल्य: 250 रुपये
प्रकाशक: बोधि प्रकाशन

वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. हरीश चंद्र झंडई का काव्य संग्रह 'नई सोच के नए पंख' पाठकों को नई ऊर्जा प्रदान करती है। इस संग्रह की रचनाएं नया करने की ऊर्जा प्रदान करने के साथ-साथ वर्तमान के बदलते युग और भविष्य में आने वाली चुनौतियों के प्रति आगाह करती हैं। यूं तो आज का मानव हर क्षेत्र में तरक्की कर चुका है, परन्तु इन सबके बीच कहीं न कहीं मानवता का ह्रास हो गया है।

डॉ. झंडई की पूर्व प्रकाशित संग्रह नये रास्ते नई डगर, नई सोच के नये रंग, नया सवेरा में भी युवा पीढ़ी को कुछ नया करने का संदेश देते रहे हैं। प्रस्तुत संग्रह की शीर्षक कविता के माध्यम से भी कवि पाठकों को जीवन की तमाम चुनौतियों के बीच, संकीर्ण विचारों को छोड़कर नई उड़ान भरने का आह्वान करता है। जब इंसान नई सोच रखता है, तभी वह बाधाओं पर पार पा सकता है।

'नई सोच के नये पंख' में कुल 80 कविताएं हैं। इन कविताओं में रचनाकार ने भारत के इतिहास से लेकर विश्व की वर्तमान अवस्था, युद्ध के मुहाने पर खड़ी दुनिया, गिरते मानवीय मूल्यों जल संकट, पर्यावरण प्रदूषण, सता लोलूपता और नारी-विमर्श प्रधानता दी है। इतना ही नहीं कवि ने अपने संग्रह की अंतिम कविता 'प्यार की जिंदगी पत्नी है' में जीवन में पत्नी के महत्व को बहुत सुंदर शब्दो में पिरोया है। नई दुनिया में कवि ने एक ऐसी दुनिया की कल्पना की है जिसमें अहंकार, जात-पात की भावना न हो बल्कि संस्कारों की भावना, मानवता और रिश्तों का सम्मान हो। संकट के मुहाने पर खड़ी दुनिया' के माध्यम से कवि ने दुनिया में बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण के खतरे के प्रति आगाह किया है। 'लौट आये मेरा बचपन' कविता के मानवीय रिश्तों के टूटने का दर्द उभारा है कि किस तरह बचपन हंसता खेलता था और आज परिवार के बुजुर्गो में एकाकीपन है और खुशियों के पर अब नहीं मिलते हैं। आया राम गया राम की बेला' आज की राजनीति की हकीकत बयां करती है। डॉ. हरीश चन्द्र झंडई ने महिला सशक्तीकरण पर भी लेखनी चलाई है। इसमें बेटी की आगे बढ़ने की चाह को उजागर करती कविता के साथ-साथ बेटियों को मजबूत बनने का आह्वान किया है। इसके साथ ही 'मनकों की माला को बिखरने न दो' समाज को एकजुट रहने का संदेश देती है। जिन्दगी है संघर्ष की तपिश हार न मानने और संघर्ष करने का आह्वान है। कुल मिलाकर डॉ. हरीश चन्द्र झंडई 'नई सोच के नये पंख' के माध्यम से अपना संदेश देने में सफल रहे हैं। पुस्तक का आवरण भी प्रशंसनीय है।

खबर संक्षेप

भिवानी। जय भिवानी -जय भवानी' माता की अखंड ज्योत लेकर दिल्ली के लिए रवाना होते श्रद्धालु। फोटो : हरिभूमि

भिवानी से दिल्ली के लिए निकली धर्म की धारा

भिवानी। चैत्र नवरात्र पर छोटी काशी भिवानी से धर्म की ऐसी रसधारा निकली, जो पूरे हरियाणा से होती हुई राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में माता रानी के विभिन्न रूपों को पूजने वाले श्रद्धालुओं को आस्था के सागर में डुबो देगी। भिवानी परिवार मैत्री संघ के विशेष धार्मिक मिशन के तहत माता रानी की अखंड ज्योत को लेकर 'जय भवानी-जय भिवानी' का रथ लगातार चौथे वर्ष पहाड़ी माता, देवसरवाली माता व भोजावाली माता मंदिरों से होते हुए शाम को दिल्ली के लिए रवाना हुई। पहाड़ी माता, नकीपुर भिवानी में संतोष एवं शंकरलाल नकीपुरिया ने माता के दरबार में ज्योति प्रज्ज्वलित की।

भिवानी। हिंदु नववर्ष पर प्रसाद वितरण करते जेसीआई के सदस्य।

प्रसाद वितरण कर किया हिंदू नववर्ष का स्वागत

भिवानी। विक्रमी संवत-2082 हिंदु नववर्ष एवं नवरात्रों की शुरूआत के उपलक्ष्य में जेसीआई भिवानी स्टार द्वारा रविवार को हुडा पार्क के नजदीक प्रसाद वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस दौरान सभी लोगों ने एक-दूसरे को हिंदु नववर्ष एवं नवरात्रों की बधाई दी। जेसीआई के मीडिय प्रभारी जेसी कपिल शर्मा ने कहा कि सनातन धर्म में नववर्ष की शुरूआत विक्रमी संवत से होती है, जबकि हम पाश्चात्य संस्कृति की लकीर पीटते हुए एक जनवरी से नया साल मनाते है, जो हमारी संस्कृति के एकदम विपरीत है। प्रधान जेसी संदीप अग्रवाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को हिंदू नववर्ष की जानकारी होना आवश्यक है।

भिवानी। पूर्व सैनिकों के परिजनों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

फौजियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता

भिवानी। रविवार को प्रेक्षा विहार में हरियाणा पूर्व सैनिक संघ जिला भिवानी व जिला चरखी दादरी के तत्वावधान में वीर नारी एवं पूर्व सैनिक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। राज्यसभा सांसद किरण चौधरी सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुई। उन्होंने कहा कि देश की सेवा में फौजियों के योगदान को कभी भुलाया नहीं जा सकता। किरण चौधरी ने कहा कि वे भी एक फौजी की बेटी हैं और उनका खून मेरे रग-रग में भरा है। सांसद ने कहा कि जिला भिवानी और चरखी दादरी के हर तीसरे घर में फौजी है। जब-जब देश को शहादत की जरूरत हुई है तो हमारे जांबाज सैनिक सबसे आगे खड़े मिले हैं।

चैत्र नवरात्रे शुरू, नवरात्रों में माता रानी के जयकारों से गुंजायमान हुए मंदिर

श्रद्धालुओं ने मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना कर मांगी परिवार की सुख-समृद्धि की कामना

इस बार हाथी पर सवार होकर आई माता रानी, सभी के लिए शुभ संकेत

- 6 अप्रैल रविवार को ही संपन्न होंगे नवरात्रे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

चैत्र नवरात्र 30 मार्च रविवार को शुरू हो गए हैं, जिसमें नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ अलग अलग रूपों की पूजा अर्चना होगी। चैत्र नवरात्र 30 मार्च रविवार से शुरू होकर 6 अप्रैल रविवार को ही संपन्न होंगे। नवरात्रों में माता रानी के जयकारों से मंदिर गूंजयामान रहे। कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 6 बजकर 13 मिनट से सुबह 10 बजकर 22 मिनट तक तथा अभिजीत मुहूर्त दोपहर 12 बजकर 01 मिनट से 12 बजकर 50 मिनट तक रहा, जिसमें मां के भक्तों ने कलश की स्थापना की और जौ रोपित किए। इसके बाद पहले नवरात्र पर मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना कर परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। उल्लेखनीय हैं कि नवरात्रों में मंदिरों में मां के भक्तों की जबरदस्त भीड़ रहती हैं। शहर के लाइनपार मां दुर्गा मंदिर, भोजावाली देवी माता मंदिर, देवसर स्थित मां भवानी मंदिर सहित अनेक मंदिरों में माता के भक्तों ने पूजा अर्चना की और अखंड ज्योत जलाई। रविवार 30 मार्च को मां शैलपुत्री की पूजा अर्चना की, जिसमें श्रद्धालुओं ने माता की ज्योत जलाई, लाल रंग के फूल चढ़ाकर खीर का भोग लगाया। इसी तरह 31 मार्च सोमवार को मां ब्रह्माचारिणी, एक अप्रैल मंगलवार को मां चंद्रघंटा, दो को मां कुष्मांडा, तीन को मां स्कंदमाता, चार को मां कत्यायनी, पांच को मां कालरात्रि, छह अप्रैल रविवार को अष्टमी व नौवी इक्ट्ठी मनाई जाएगी, जिसमें मां महागौरी व मां सिद्धिदात्री की पूजा अर्चना होगी। इस दिन नौ कन्याओं को भोजन करवाकर नवरात्रों का समापन होगा। नवरात्रों को लेकर महिलाओं व श्रद्धालुओं ने बाजार में जमकर खरीददारी की। वहीं मंदिरों को लाइटों व लड़ियों से सजाया और मंदिरों में स्थापित माता की प्रतिमा को सुंदर पोशाक पहनाई गई। मंदिर में साफ सफाई की गई, ताकि माता रानी की कृपा सभी पर बरसें।

माता रानी का पालकी में आना शुभ संकेत नहीं

केएल ज्योतिष अनुसंधान केंद्र के संचालक पंडित विजय शास्त्री ने बताया कि नवरात्रों में माता रानी का हाथी पर सवार होकर आना शुभ संकेत हैं। उन्होंने बताया कि नवरात्रों में माता रानी की नौ दिन तक पूजा अर्चना पूरे विधि विधान से करें, जिसमें जौ, धूप, फूल, पान, फल, लौंग, कपूर, अक्षत, सुपारी, कलश, कलावा, नारियल, माता की लाल चुनरी, लाल वस्त्र, इलायची, पान के पत्ते, लाल चंदन, दीपक व माता का श्रृंगार का इस्तेमाल करें, जिससे माता रानी की कृपा बरसे।

किरयाणा की दुकानों पर रही भीड़

नवरात्रों पर महिलाएं नौ दिन पर उपवास रखकर माता रानी से आशीर्वाद की कामना करती हैं, इसी के चलते किरयाणा की दुकानों पर व्रत में कुट्टू का आटा, सामक, काली मिर्च, सेंधा नमक, पापड़, पेठा मिठाई सहित व्रत में खाने वाली चीजों की खरीददारी के लिए काफी भीड़ रही। वहीं दुकानदारों ने हमेशा की तरह दुकान में सामान की सूची दिखाकर फटाफट ग्राहकों को सामान उपलब्ध करवाया। नवरात्रों पर फलों व सब्जियों के भावों में काफी बढ़ोतरी हुई। नवरात्रों में पहले की अपेक्षा भावों में बढ़ोतरी होने से आमजन को परेशानी हुई। नवरात्रों में फलों, सब्जियों के दामों में बढ़ोतरी हो जाती हैं।

मंदिरों में उमड़ी भीड़

नवरात्रों में माता रानी के दर्शनों के लिए शहर के अलावा गांवों के मंदिरों में श्रद्धालुओं की अच्छी खासी भीड़ रहती हैं। कृष्णा कॉलोनी फाटक पार दुर्गा कॉलोनी स्थित दुर्गा मंदिर, नया बाजार स्थित भोजावाली देवी माता मंदिर में श्रद्धालुओं की काफी भीड़ रहती हैं और श्रद्धालुगण सैंकड़ों की संख्या अखंड ज्योत प्रज्ज्वलित करवाते हैं। वहीं हनुमान ढाणी स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर, रेलवे रोड गुफावाला माता मंदिर सहित शहर के सभी मंदिरों में माता रानी की दरबार व मंदिर लाइटों व लड़ियों से सजाएं।

देवसर धाम में नवरात्रि की प्रथम पूजा अर्चना, शैलपुत्री देवी की पूजा की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

देवसर धाम में माँ भगवती देवी की प्रथम नवरात्रे पर पूजा अर्चना का आयोजन किया गया। देशभर में नवरात्रि के पहले दिन शैलपुत्री देवी की पूजा की जा रही है, जो नवरात्रि के महत्व को और बढ़ाती है। इस अवसर पर हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के सचिव और एडीसी भिवानी, मुनीष नागपाल ने अपनी धर्मपत्नी के साथ देवसर धाम में विशेष पूजा अर्चना की। देवसर धाम एक प्रमुख धार्मिक स्थल है, जहां हर साल हजारों श्रद्धालु माता के दर्शन करने के लिए आते हैं। इस दौरान मंदिर के पुजारियों ने देवी माता की महिमा का गुणगान किया और श्रद्धालुओं को नवरात्रि के दौरान भक्तिभाव से पूजा करने का आह्वान किया। उन्होंने नवरात्रि के महत्व को बताते हुए कहा कि इस पवित्र समय में श्रद्धालु अपने भीतर सकारात्मक ऊर्जा और शांति को महसूस कर सकते हैं। एडीसी मुनीष नागपाल ने नवरात्रि के महत्व पर भी प्रकाश डाला और कहा कि यह समय माँ शक्ति के प्रति आस्था और श्रद्धा का है। उन्होंने यह भी बताया कि इस दौरान समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए एकजुटता और विश्वास की आवश्यकता होती है। नागपाल ने कहा कि भक्तों कों किसी प्रकार कोई समस्या न हों।

मां वैष्णो देवी के पावन धाम से तोशाम पहुंची मां की ज्योति यात्रा

तोशाम। चैत्र नवरात्रि के प्रारंभ होने के अवसर पर मां नीलम देवी के नेतृत्व में माता के भक्तगण मां वैष्णो देवी के पावन धाम त्रिकूट पर्वत से मां की ज्योति लेकर अल सुबह तोशाम पहुंचे। मां की ज्योति सहित यह यात्रा सर्वप्रथम तोशाम में पंडित रामकिशन महाराज के पास प्राचीन छपारिया हनुमान मंदिर पहुंची तत्पश्चात उनके सानिध्य में मां की ज्योति सहित यह यात्रा कस्बे में होते हुए मां वैष्णो मंदिर पहुंची। इस दौरान माता के भक्तों ने ढोल नगाड़ों की थाप पर माता की भक्ति में लीन होकर यात्रा का भव्य स्वागत किया तथा जमकर खुशी मनाई। यह जानकारी देते हुए मां वैष्णो मंदिर की संचालिका तथा माता रानी की सेविका नीलम देवी ने बताया कि पिछले काफी वर्षों से उनके द्वारा मां ज्वाला जी से नवरात्रि के अवसर पर तोशाम में बाबा मुंगीपा की पावन धरा पर माता की ज्योति लाई जाती है। अबकी बार यह माता की ज्योति मां वैष्णो देवी के पावन धाम त्रिकूट पर्वत से तोशाम पहुंची है। जिसकी खुशी में भक्तगण माता की भक्ति में लीन होकर जमकर जश्न मना रहे हैं।

खाकी बाबा मंदिर में दिव्य सत्संग का आयोजन

श्री राम कथा एवं दिव्य सत्संग में सुनाया राम-हनुमान मिलन प्रसंग

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

श्री खाकी बाबा रामचरित मानस मंदिर भिवानी द्वारा दिनोद गेट स्थित खाकी बाबा मंदिर में जारी श्री राम कथा एवं दिव्य सत्संग में रविवार को कथावाचक आनंद ऋषिकेश ने भगवान श्रीराम-हनुमान मिलन का प्रसंग सुनाया। यह जानकारी देते हुए पवन गोयल व नवीन गुप्ता ने बताया कि रविवार को भी भारी संख्या में श्रद्धालगुण मौजूद रहे तथा कथा का रसपान किया। क्था के दौरान कथावाचक धार्मिक ग्रंथों का महत्व बताया। श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कथावाचक आनंद ऋषिकेश ने ग्रंथों का महत्व बताते हुए कहा कि ग्रंथों के पढने से हमें जीवन जीने की कला समझ आती है। जिसने ग्रंथों को अपने जीवन में उतार लिया, उसका बेड़ा पार हो गया। ग्रंथों के माध्यम से हमें यह पता चलता है कि भगवान मनुष्य से क्या चाहते है। रामायण, भगवतगीता, महाभारत, वेदों, पुराणों से हमें यह समझने में सहायता मिलती है कि भगवान ने किन-किन समस्याओं व परिस्थितियों का सामना किस प्रकार किया है व उनका समाधान कैसे हो सकता है। ग्रंथों के सार के बारे में आनंद ने बताया कि 3 बातों में ग्रंथों का सार है। पहला मेरा कुछ नहीं, दूसरा मुझे कुछ नही चाहिए ।

भिवानी। कथा में प्रवचन करते हुए।

हड्डी जांच शिविर का 65 लोगों ने उठाया लाभ

भिवानी। लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के उद्देश्य से हर माह के अंतिम रविवार की भांति इस बार भी रविवार को जामपुर सेवा समिति ने कृष्णा कॉलोनी स्थित डॉ. विद्या सागर चैरिटेबल अस्पताल में हड्डी जांच शिविर का आयोजन किया तथा 65 मरीजों की जांच की। शिविर में मशीन द्वारा हड्डियों की संपूर्ण जांच व फिजियोथैरेपी की। शिविर में मुख्यतिथि नगर परिषद के चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह ने रिबन काटकर शिविर का शुभारंभ किया। इस मौके पर कल्याणी अस्पताल गुरूग्राम से डॉ. विक्रांत खन्ना ने अपनी सेवाएं दी। जामपुर सेवा समिति के प्रधान गोपाल कृष्ण पोपली ने कहा कि खराब खान-पान से रोजाना नई बीमारियां जन्म ले रही हैं

ब्रह्म पुराण के अनुसार भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन से सृष्टि निर्माण प्रारंभ किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

भारतीय नववर्ष उत्सव मंच द्वारा विक्रमी संवत-2082 के शुभारंभ पर भारतीय नववर्ष का भव्य स्वागत किया। इस दौरान छोटी काशी भिवानी के सभी चौराहे भगवा रंग से सजाए गए।

विभिन्न मुख्य मार्गो पर भी भगवा झंडे लगाए गए, यही नहीं शहर में एक हजार से भी अधिक दुकानों पर भगवा रंग के झंडे व बधाई संदेश मंच द्वारा भेंट किए गए, जिसके चलते हिंदु नवर्ष पर शहर में खासी रौनक देखने को मिली। भारतीय नववर्ष उत्सव मंच के सदस्य अमित बंसल मुंढ़ालिया ने कहा कि युवाओं को अंग्रेजी कैलेंडर के हिसाब से आने वाले नवर्ष की पूरी जानकारी रहती है, लेकिन वे हिंदु नवर्ष के बारे में कुछ नहीं जानते, जबकि हिंदू धर्म में विवाह शादी जैसे अन्य शुभ कार्य हिंदू पंचांग के आधार पर किए जाते हैं, ऐसे में प्रत्येक जन तक विक्रमी संवत के तहत मनाए जाने वाले भारतीय नववर्ष की जानकारी पहुंचाने के लिए ये कार्यक्रम आयोजित किया तथा शहर को भव्य तरीके से सजाया। उन्होंने कहा कि ब्रह्म पुराण के अनुसार भगवान ब्रह्मा ने इसी दिन से सृष्टि निर्माण प्रारंभ किया था, इसलिए सृष्टि का प्रथम दिन है। युगों में प्रथम सतयुग का प्रारंभ भी इसी तिथि को हुआ था। मंच के सदसय अतुल गुप्ता ने बताया कि बच्चों और महिलाओं में हिंदु नववर्ष के प्रति जागरूकता और रुचि बढ़ाने के उद्देश्य से हिंदु नववर्ष प्रतियोगिता का आयोजन जेसीआई भिवानी डायमंड के सौजन्य से करवाया, जिसका परिणाम 2 अप्रैल को घोषित किया जाएगा, जिसका प्रथम पुरस्कार 2100 , द्वितीय 1100 और तृतीय 500 रुपये रहेगा।

भिवानी। हिंदु नववर्ष पर सजाया गया आंबेडकर चौक। फोटो : हरिभूमि

सांसद की टिप्पणी सत्य से परे एवं कष्टप्रद : कुलदीप

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

अखिल भारतीय जाट आरक्षण संघर्ष समिति के जिला प्रधान कुलदीप फौगाट ने कहा कि देश की आन-बान-शान के लिए राजपूत समाज ने खून दिया और लिया, लेकिन आज कुछ लोग अपनी राजनीतिक रोटियां सेंकने के लिए राजपूत समाज से ताल्लुक रखने वाले देश के महापुरुषों के खिलाफ अशोभनीय टिप्पणी कर रहे है, जो बर्दाश्त से बाहर है।

उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद रामजीलाल सुमन ने राज्यसभा में राणा सांगा के विषय में जो अभद्र टिप्पणी की है, वह सत्य से परे तो है ही, हर देशभक्त हर राष्ट्रवादी के लिए बहुत ही कष्टप्रद है। उन्होंने कहा कि वीर राणा सांगा ने राष्ट्र और धर्म की रक्षा के लिए अनेक लड़ाइयां लड़ी और जीती। महाराणा होते हुए भी युद्ध में सबसे आगे की पंक्ति में लड़ने वाले राणा सांगा ने शरीर पर 80 से अधिक घाव खाए। उन्होंने कहा कि देश का दुर्भाग्य है कि औरंगजेब जैसे बर्बर शासक का महिमा मंडन करने के लिए कुछ लोग अपने ही महानायकों को छोटा दिखाने की होड़ में लगे है। उन्होंने कहा कि कैसी बिडंबना है जिसने अपने पिता को कैद और भाइयों की हत्या करके कुत्तों को खिला दिया, ऐसे औरंगजेब को चाहने वाले भी इस देश में है, जो अपने महानायकों के गौरवशाली इतिहास को झुठला रहे है।

सिवानी में नशा मुक्ति जागरूकता दौड़ का आयोजन

2000 खिलाड़ियों व नागरिकों ने नशे के विरुद्ध लगाई दौड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

थाना सिवानी पुलिस ने उप पुलिस अधीक्षक सिवानी जय भगवान के नेतृत्व में सेठ मेघराज जिंदल ट्रस्ट के सहयोग से 30 मार्च को सिवानी में एक विशेष मैराथन दौड़ का आयोजन किया, जिसका उद्देश्य युवाओं और नागरिकों को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना और उन्हें नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित करना था।

आयोजित की गई मैराथन दौड़ में 2000 के करीब युवाओं, खिलाड़ियों व आम नागरिकों ने नशे के विरुद्ध दौड़ लगाई मैराथन दौड़ मॉडल संस्कृति स्कूल से शुरू होकर पुराना बस अड्डा सिवानी, गुरेरा मोड, ऑटो मार्केट, हिसार - सिवानी हाईवे से वापस पुराना बस अड्डा सिवानी पर आकर खत्म हुई। इस अवसर पर उप पुलिस अधीक्षक सिवानी ने उपस्थित युवाओं, खिलाड़ियों व लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक किया और इसके दुष्प्रभावों के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस दौड़ में जिले के सैकड़ों युवाओं, विद्यार्थियों, सामाजिक संगठनों एवं नागरिकों ने भाग लिया। उप पुलिस अधीक्षक सिवानी ने कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डालता है, बल्कि समाज और परिवार को भी बर्बाद कर देता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे जैसी सामाजिक बुराइयों से दूर रहें और अपने जीवन को सकारात्मक दिशा में आगे बढ़ाएं। उप पुलिस अधीक्षक सिवानी ने बतलाया कि जिला पुलिस भिवानी के 26 कर्मचारी जिले के 78 गांव में सुबह-शाम युवाओं को नशे से दूर रखना के उद्देश्य से गांव के स्टेडियम में विभिन्न खेलों में उनकी भागीदारी सुनिश्चित की जा रही है। मैराथन दौड़ के बाद प्रतिभागियों को ट्राफी व मेडल देकर सम्मानित किया गया

भिवानी। मैराथन दौड में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागी को सम्मानित करते हुए।

मां भगवती मंदिर में श्रद्धा और भक्ति का संगम

भिवानी। श्री बद्री केदार नाथ सांस्कृतिक कल्याण मण्डल द्वारा इस वर्ष भी चैत्र नवरात्रि के शुभ अवसर पर मां भगवती मंदिर में भव्य नवरात्रि महोत्सव का आयोजन किया गया। नवरात्रि का शुभारंभ माता के जयकारों और श्रद्धालुओं की अपार भीड़ के साथ किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत कलश यात्रा निकाल कर की गई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस कलश यात्रा ने पूरे क्षेत्र में भक्ति और उत्साह का वातावरण निर्मित कर दिया। संस्था के सदस्यों और क्षेत्रवासियों ने इस कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया। मंदिर परिसर में पहले दिन मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की विशेष पूजा-अर्चना की गई।

हिंदु नववर्ष के चैत्र मास नवरात्रों पर श्रीमद देवी भागवत कथा शुरू

श्रीमद् देवी भागवत कथा के पाठ, श्रवण एवं चिंतन से मिलती मानसिक शांति एवं नकारात्मकता सु मुक्ति

भागवत कथा 6 अप्रैल तक दोपहर 3 बजे से शुरू होकर माता इच्छा तक जारी रहेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भिवानी

विद्या नगर स्थित स्कूल में रविवार से 9 दिवसीय श्रीमद् देवी भागवत कथा की शुरूआत हुई। कथा का आयोजन श्रीपंच दशनाम जूना अखाड़ा के अंतर्राष्ट्रीय मंहत बाबा शोभागिरी महाराज के आशीर्वाद से किया जाएगा, जिसमें कथा व्यास एवं ज्योतिषाचार्य पंडित बृजमोहन कौशिक कथा का वाचन करेंगे। जानकारी देते हुए व्यवस्थापक अशोक शर्मा, संदीप शर्मा एवं ललिता शर्मा ने बताया कि श्रीमद् देवी भागवत कथा 30 मार्च से 6 अप्रैल तक दोपहर 3 बजे से शुरू होकर माता इच्छा तक जारी रहेगी। 9 दिवसीय कथा की शुरूआत रविवार सुबह कलश यात्रा से हुई, जिसमें शहर के अनेक श्रद्धालुगण ने हिस्सा लिया। कलश यात्रा महम गेट स्थित परशुराम मंदिर से शुरू होकर 54 फूटा रोड से होते हुए नजदीक पालुवास सरकारी स्कूल कथा स्थल पर संपन्न हुई। कथा के पहले दिन देवी महात्मय वर्णन किया गया, जिससे श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। कथा के दौरान भक्तों ने भजनों और कीर्तन के माध्यम से मां की स्तुति की। आयोजन स्थल को भव्य रूप से सजाया गया। कथा व्यास एवं ज्योतिषाचार्य पंडित बृजमोहन ने कहा कि कथा नवरात्रों के समापन तक चलेगी, जिसमें प्रतिदिन विभिन्न प्रसंगों का पाठ किया जाएगा। उन्होंने कहा कि श्रीमद् देवी भागवत कथा भक्ति और ज्ञान का अनुपम ग्रंथ है, जो मां दुर्गा की महिमा का विस्तार से वर्णन करता है। उन्होंने कहा कि नवरात्रि केवल उपवास और पूजा का समय नहीं, बल्कि आत्मशुद्धि और आध्यात्मिक जागरण का भी अवसर है। उन्होंने कहा कि श्रीमद् देवी भागवत कथा के पाठ, श्रवण और चिंतन से मानसिक शांति, समृद्धि तथा नकारात्मकता से मुक्ति मिलती है। उन्होंने बताया कि यह पुराण धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष की प्राप्ति में सहायक है। कथा के आयोजक एमबीएस स्कूल के स्टाफ अभिभावक एवं सभी श्रद्धालुगण रहे। इस अवसर पर अरविंद शर्मा, किरण बाला कृष्णा देवी जयंती कृष्ण मालिक शिल्पा निर्मला लखेरा कांत शर्मा सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

भिवानी। श्रीमद् देवी भागवत कथा से पूर्व कलश यात्रा में शामिल महिलाएं।

एमसी कॉलोनी में हर्षोल्लास से मनाया हिन्दू नववर्ष

भिवानी। भारत माता सेवा मंडल के सदस्यों ने एमसी कॉलोनी पार्क में अंगनाराम हलवाई की अध्यक्षता में हिन्दू नववर्ष हर्षोल्लास से मनाया। इस अवसर पर भारत माता सेवा मंडल के संरक्षक गणपतराय जसूजा, पूर्णमल शर्मा व मंडल अध्यक्ष ठाकुर पदमसिंह चौहान ने सबको हिंदू नववर्ष की बधाई दी। उन्होंने कहा कि देशभर में कई व्रत और त्यौहार मनाए जाते हैं। मान्यता है कि चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा को भगवान ब्रह्माजी ने सृष्टि का निर्माण किया था। इस दिन पवित्र चैत्र नवरात्रे शुरू होते हैं। प्रत्येक नववर्ष विक्रम संवत चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से आरंभ होता है। विश्व का प्रथम कैलेंडर विक्रम संवत की स्थापना आज ही के दिन राजा विक्रमादित्य ने की थी।

लॉयर्स क्लब भिवानी ने डिस्ट्रिक कोर्ट भिवानी टीम को चार विकेट से हराया, पीयूष वर्मा बने मैन ऑफ द मैच

भिवानी। ठाकुर आजाद सिंह ग्राउंड रेवाड़ी खेड़ा में लॉयर्स क्लब भिवानी व कोर्ट स्टाफ टीम के बीच हिंदू नव वर्ष के उपलक्ष में टी-20 क्रिकेट मैच खेला गया , मैच का शुभारंभ टॉस के साथ किया गया। कोर्ट स्टाफ टीम के कप्तान सुधीर शर्मा ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला लिया। लॉयर्स क्लब भिवानी टीम ने कप्तान सुमित तंवर तिगड़ानिया के नेतृत्व में लॉयर्स क्लब भिवानी ने बेहतरीन गेंदबाजी कर कोर्ट स्टाफ टीम को 164 रन पर रोक दिया जिसमे मनदीप मान ने शानदार नाबाद 49 रन की पारी खेली दूसरी तरफ लॉयर्स क्लब टीम ने लक्ष्य मात्र 18 ओवर में पूरा किया , शुरू में राजेश आर्य व संजीव गुप्ता ने पारी को संभाले रखकर 49 रन की साझेदारी की उसके बाद कप्तान सुमित तिगड़ानियां व पीयूष वर्मा ने 38 रन की साझेदारी की ,पीयूष वर्मा ने धुआंधार बल्लेबाजी करते हुए मात्र 19 गेंदों में अर्धशतक ठोक दिया और मैच को पूरी तरह से लॉयर्स क्लब की तरफ कर दिया और अंत में समय रहते विकास नागर ने गगनचुंबी छक्का लगाते हुए मैच को 18वें ओवर की अंतिम गेंद पर जीता दिलाई।

खबर संक्षेप

वार्ड 15 में सीवरेज व्यवस्था ठप

बवानीखेड़ा। कस्बे के रेलवे लाइन पार वार्ड 15 में सीवरेज व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई है और इसकी सुध लेने वाला कोई नहीं। जिसके चलते वार्ड वासियों में आने-जाने में भारी परेशानी बनी हुई है तथा वही दूसरी ओर वार्ड वासियों में इसके प्रति रोष भी बना हुआ है। वार्ड वासियों की माने तो उन्होंने बताया कि सीवरेज व्यवस्था को ठीक करने के लिए अभी तक कोई कर्मचारी नहीं आया है।

रक्तदान से जरूरतमंद की बचा सकते हैं जान

भिवानी। प्रजापति जागृति मंच द्वारा रविवार को दिनोद गेट स्थित श्री चेतराम प्रजापति धर्मशाला में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बतौर मुख्यअतिथि विधायक घनश्याम सर्राफ एवं विशिष्ट अतिथि के तौर पर हरियाणा अनुसूचित जाति आयोग के वाईस चेयरमैन विजेंद्र बड़गुज्जर ने शिरकत की। इस दौरान 42 लोगों ने रक्तदान किया, जिन्हे अतिथिगण द्वारा बैज लगाकर व प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया।

सांस्कृतिक सदन में संपन्न हुई रफी नाइट

भिवानी। चाणक्य कला मंच द्वारा सांस्कृतिक सदन मे 85वीं रफी नाइट कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का शुभारंभ ज्ञान की देवी मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित व सरस्वती गायन के साथ हुआ। इस मौके पर मुख्य गायक महेश इंद्र सिंह और मुख्य गायिका शिवानी ने अपनी प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम में सुंदर प्रस्तुतियों ने सभी का मन मोहा।

मनाया गया हिंदू नववर्ष एवं नवरात्रि उत्सव

चरखी दादरी। यदुवंशी शिक्षा निकेतन मंदौला में आज हिंदू नववर्ष और नवरात्रि के शुभारंभ पर मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर विद्यालय के सभी अध्यापकों और स्टाफ सदस्यों ने विधिवत मां सरस्वती का आशीर्वाद लिया। विद्यालय के प्राचार्य नरेंद्र यादव और डीन नौरंग लाल ने सभी स्टाफ सदस्यों को नवरात्रि की शुभकामनाएं दीं और इस पर्व के महत्व पर प्रकाश डाला।

मांगों को लेकर शिक्षकों की बैठक आयोजित

भिवानी। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ हरियाणा, भिवानी जिला कार्यकारिणी की बैठक संगठन के जिला कार्यालय मे आज प्राथमिक शिक्षकों व विद्यालयों की विभिन्न समस्याओ को लेकर एक बैठक का आयोजन जिला प्रधान भूपेंद्र चाहर की अध्यक्षता मे किया गया जिसका संचालन महासचिव सुमित शर्मा ने किया। जिसमें अध्यापकों की मुख्य समस्या सामान्य स्थानांतरण ड्राइव चलाने, हरियाणा सेवा नियमावली 2012 की आड़ लेकर अध्यापकों को एसीपी के लाभ व पदौन्ती देने मे की जा रही आना कानी पर विरोध जताया गया।

हिंदू नववर्ष पर सामूहिक सुंदरकांड पाठ आयोजित

चरखी दादरी। पूरे भारतवर्ष के लिए आज का दिन खास एवं महत्वपूर्ण है, आज हम चैत्र शुक्ल प्रतिपदा विक्रम संवत 2082 नववर्ष में प्रवेश कर गए है। यह नूतन वर्ष हमारे देश व प्रदेश के लिए सुख समृद्धि लेकर आए इसी कामना के साथ आज गांव नरसिंहवास में बाबा जमना गिरी डेरा में सामूहिक सुंदरकाण्ड पाठ का आयोजन किया गया।

जिला बार प्रधान का किया गया अभिनंदन

भिवानी। गांव हालुवास के बालाजी मंदिर वाटिका हालुवास धाम कि कमेटी द्वारा सम्मान समारोह का आयोजन किया। सम्मान समारोह में भिवानी बार एसोसिएशन के नवनिर्वाचित प्रधान एडवोकेट संदीप सिंह तंवर अभिनंदन किया। समारोह में हरियाणा पुलिस से सब इंस्पेक्टर रमेश शर्मा की पदोन्नति पर सम्मानित किया। सम्मान समारोह में मुख्यतिथि सांसद धर्मबीर सिंह के सचिव महेन्द्र सिंह तंवर व जिला पार्षद प्रतिनिधि मोनू देवसरिया ने शिरकत की।

विद्यार्थियों को मोबाइल और टीवी से दूर रखना चाहिए: बोर्ड अध्यक्ष पवन शर्मा

हनुमान ढाणी स्थित विवेकानंद हाई स्कूल के संस्कृति सभागार में दूसरे दिन माध्यमिक शाखा का वार्षिक उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

हनुमान ढाणी स्थित विवेकानंद हाई स्कूल के संस्कृति सभागार में दूसरे दिन माध्यमिक शाखा का वार्षिक उत्सव बड़ी धूमधाम से मनाया गया। जिसका शुभारंभ हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन पवन शर्मा ने दीप प्रज्वलित कर किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अंचल अस्पताल के एमडी डॉ विनोद अंचल एवं विवेकानंद हाई स्कूल संचालिका सावित्री यादव ने की। कार्यक्रम में रोल मॉडल के रूप मे अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी महिला बॉक्सर चांदनी मेहरा एवं कोच राकेश कुमार, डॉक्टर विनोद अंचल, अंतरराष्ट्रीय जूडो कराटे खिलाड़ी हरीश सैनी, पुरानी अनाज मंडी के प्रधान संजय सिंगला, सचिव प्रकाश मोडा, राजकुमार गुप्ता, राजनीश कुमार सर्राफ,स्वास्थ्य विभाग से सुभाष यादव,भारत सरकार से राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज, स्वास्थ्य कर्मी वंदना यादव, समाजसेवी सुशील बुवानी वाला, शिक्षाविद धर्मसिंह, सुमित्रा आदि मौजूद रहे।

कार्यक्रम में रोल मॉडल के रूप मे महिला बॉक्सर चांदनी मेहरा मौजूद रहीं

सांस्कृतिक कार्यक्रमों की दी प्रस्तुति

कलाकार विद्यार्थियों ने देशभक्ति, हरियाणवी व अन्य संस्कृति से ओत प्रोत सांस्कृतिक कार्यक्रम की भावपूर्ण प्रस्तुति दी तथा मेधावी विद्यार्थियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। वहीं इस अवसर पर विद्यार्थियों के लिए हर प्रकार से दिन-रात मेहनत करने वाले उन माता-पिता व दादा दादी को भी सम्मान दिया गया, जो अपने बच्चों के प्रति समर्पित भाव रखते हैं और हर समस्या में उनके साथ खड़े रहते हैं तथा विद्यालय प्रबंधन को सपोर्ट करते हैं, उन्हें भी विद्यालय समिति के द्वारा सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वर्ष भर सांस्कृतिक गतिविधियों में भाग लेने वाले कलाकार विद्यार्थियों एवं खेल क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदान करने वाले विद्यार्थियों को भी मेडल देकर सम्मानित किया गया।

भिवानी। मेधावियों को सम्मानित करते हुए। फोटो: हरिभूमि

विद्यार्थी के जीवन में अभिभावक व शिक्षक का अहम योगदान

हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉक्टर पवन शर्मा ने विद्यार्थियों शिक्षकों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को ऊंचाइयों पर ले जाने के लिए अभिभावक एवं शिक्षक का बड़ा योगदान होता है। वह अपने बच्चों को अच्छी संस्कृति एवं संस्कार युक्त शिक्षा दीक्षा देने में आगे आए,ताकि बच्चे का सर्वांगीण विकास हो और वह शिक्षा के साथ-साथ अन्य क्षेत्र में भी आज के इस आधुनिक समय में आगे बढ़ सके। शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष ने अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि बच्चों को मोबाइल से दूर रखना चाहिए।

विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए

विशेष अतिथि अंतर्राष्ट्रीय महिला बॉक्सर चांदनी मेहरा ने विद्यार्थियों शिक्षकों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ खेल क्षेत्र में भी आगे आना चाहिए क्योंकि आजकल खेल में भी हम बहुत कुछ प्राप्त करते हैं तथा अपने स्वास्थ्य को भी हम सही रखते हैं उन्होंने कहा कि हमें नशे से दूर रहना चाहिए बल्कि हमें शिक्षा और खेल से जुड़ना चाहिए जो हमें ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करता है।इस अवसर पर डॉक्टर विनोद अंचल ने भी विद्यार्थियों एवं अभिभावकों को संबोधित करते हुए कहा कि हमें विद्यार्थियों को अच्छी शिक्षा देनी चाहिए।

कलस्टर के राजकीय मॉडल संस्कृति वमावि में शिक्षकों ने संभाला मोर्चा

उल्लास कार्यक्रम के तहत कलस्टर में दिखा परीक्षार्थियों का जोश

15 वर्ष की आयु से अधिक निरक्षरों की हुई परीक्षा

दीपक कुमार डुमड़ा ⏭ बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा खंड के सभी कलस्टरों पर निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए उल्लास के तहत परीक्षा का आयोजन किया जा गया। जिसमें बड़ी संख्या में निरक्षरों ने परीक्षा दी। बवानी खेड़ा के वीर शहीद कपिल देव राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में 15 वर्ष से अधिक उम्र के महिलाओं व पुरुषों की परीक्षा हुई। इस परीक्षा से पहले इन्हें पहले पढ़ाई भी करवाई गई थी।

परीक्षा में उप-प्रधानाचार्य सत्यवान, कलस्टर स्तरीय अधिकारी विजयपाल, प्रवक्ता राजेन्द्र, कृष्ण कुमार, विरेन्द्र, हुनेश, शिक्षक कृष्ण लाल, रामनरेश, विजय कुमार, उमेद सिंह, उमेश लिपिक, एबीआरसी राज कुमारी ने परीक्षा में मार्चा संभाला और विशेष नजर रखी। परीक्षा नकलरहित कराई गई। उप-प्राचार्य सत्यवान ने बताया की शिक्षा विभाग की मुहिम है की सभी साक्षर हो। कलस्टर स्तरीय अधिकारी विजयपाल ने बताया कि बवानी खेड़ा शहर में 7 विद्यालयों में 53 व लोहारी जाटू में 40 निरक्षर थे।

जिनमें परीक्षा के प्रति उत्साह देखा गया। उल्लास के कार्यक्रम के तहत सरकार ने गांव गांव में पहले सर्वे करवाया था। सर्वे में जो लोग अनपढ़ है उन्हें पहले स्कूल के छात्रो के द्वारा पढ़ाया गया था। उन्हें उनके नाम लिखना भी सिखाया गया ताकि गांव में कोई निरक्षर ना हो। रविवार को बवानी खेड़ा, सुई आदि के राजकीय स्कूल में बुजुर्गों की परीक्षा आयोजित हुई।

सर्वे के अनुसार बवानी खेड़ा कलस्टर में 93 व सुई में 263 निरक्षर है। जिसमें से अधिकतर परीक्षा देने के लिए उपस्थित हुए। सबसे रोचक बात तो ये थी की काफी परीक्षा देने वाले तो अपने जीवन साथी के साथ परीक्षा देने के लिए शामिल हुए। सुई प्राचार्य राजेश कुमार ने बताया की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हुई। विभाग की तरफ से अच्छे इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर प्रवक्ता नरेश कुमार, वेदप्रकाश राणा, मोनिका अत्री, डॉ सुधा बुंदेला, निर्मला, ऋतु, उमेद कुमार, प्रवीण ठकराल, नवीन शर्मा, नीलम लिखा, सुधा, सीमा, बलवान रंगा, सुनीता सांगवान, कृष्ण कुमार, अशोक कुमार , सुमन शर्मा सहित अनेक स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

बवानीखेड़ा। उल्लास परीक्षा में बैठे परीक्षार्थी। फोटो: हरिभूमि

सूई स्कूल में उल्लास कार्यक्रम के तहत हुई परीक्षा

भिवानी। हरियाणा में आज निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए उल्लास के तहत परीक्षा का आयोजन किया जा रहा है। आज बड़ी संख्या में निरक्षरों ने परीक्षा दी। भिवानी के सुई में 15 वर्ष से अधिक उम्र के महिलाओं व पुरुषों की परीक्षा हुई। इस परीक्षा से पहले इन्हें पहले पढ़ाई भी करवाई गई थी। सुई के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के प्राचार्य राजेश कुमार ने बताया की शिक्षा विभाग की मुहिम है की सभी साक्षर हो। उल्लास के कार्यक्रम के तहत सरकार ने गांव गांव में पहले सर्वे करवाया था। सर्वे में जो लोग अनपढ़ है उन्हें पहले स्कूल के छात्रो के द्वारा पढ़ाया गया था। उन्हें उनके नाम लिखना भी सिखाया गया ताकि गांव में कोई निरक्षर ना हो। आज सुई के राजकीय स्कूल में बुजुर्गों की परीक्षा आयोजित हुई। सर्वे के अनुसार सुई में 263 निरक्षर है। जिसमें से अधिकतर परीक्षा देने के लिए उपस्थित हुए। सबसे रोचक बात तो ये थी की काफी परीक्षा देने वाले तो अपने जीवन साथी के साथ परीक्षा देने के लिए शामिल हुए। प्राचार्य राजेश कुमार ने बताया की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से आयोजित हुई। विभाग की तरफ से अच्छे इंतजाम किए गए थे। इस अवसर पर प्रवक्ता नरेश कुमार, वेदप्रकाश राणा, मोनिका अत्री, डॉ सुधा बुंदेला, निर्मला, ऋतु, उमेद कुमार, प्रवीण ठकराल, नवीन शर्मा, नीलम लिखा, सुधा, सीमा, बलवान रंगा, सुनीता सांगवान, कृष्ण कुमार, अशोक कुमार , सुमन शर्मा सहित अनेक स्टाफ सदस्य उपस्थित थे।

भिवानी। बच्चों के साथ उल्लास परीक्षा देते प्रतिभागी। फोटो: हरिभूमि

किसी ने बच्चे तो किसी ने पति के साथ सरकारी स्कूल पहुंचकर दी परीक्षा

- ढाणी हनुमान के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में तीन सरकारी विद्यालयों के तहत कराई उल्लास परीक्षा
- प्रौढ़ लोगों के लिए निरक्षर होने का मलाल मिटाने और उन्हें अक्षर से जोड़ने का सरकार का अहम कदम: सुनीता सैनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

किसी ने छोटे बच्चे तो किसी बुजुर्ग महिला ने अपने पति के साथ सरकारी स्कूल के बैंच पर बैठकर परीक्षा दी। मौका था निरक्षर से साक्षर बनने का। इसके लिए हरियाणा सरकार की तरफ से सरकारी स्कूलों में रविवार को उल्लास परीक्षा आयोजित कराई गई। जिसमें क्षेत्र के प्रौढ़ महिला एवं पुरुषों ने सरकारी स्कूल पहुंचकर परीक्षा दी। परीक्षा देने वाले प्रौढ़ महिला एवं पुरुषों को शिक्षा विभाग की तरफ से प्रमाण पत्र भी दिया जाएगा। जिसके बाद उनका निरक्षर यानी अनपढ़ होने का मलाल भी हमेशा के लिए मिट जाएगा। ढाणी हनुमान के राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रविवार को हरियाणा सरकार के आदेशानुसार प्रधानाचार्या सुनीता सैनी के नेतृत्व में उल्लास परीक्षा का आयोजन किया गया। जिसमें प्राथमिक विद्यालय ढाणी हनुमान, प्राथमिक विद्यालय ढाणी माल्यान और वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाणी हनुमान के स्टाफ सदस्यों द्वारा परीक्षा ली गई। प्रौढ़ व्यक्तियों को सरकार द्वारा परीक्षा लेकर शिक्षित होने का प्रमाण पत्र दिया जाएगा। विद्यालय की प्रधानाचार्या सुनीता सैनी ने बताया कि प्रौढ़ महिला एवं पुरुषों को को साक्षर करने के लिए उल्लास परीक्षा हुई है।

निरक्षर होने का मलाल मिटाने का अवसर

सुनीता सैनी ने बताया कि प्रौढ़ लोगों के लिए निरक्षर होने का मलाल मिटाने और उन्हें अक्षर से जोड़ने का सरकार का अहम कदम है। ढाणी हनुमान स्कूल की डीपीई प्रोमिला ने बताया कि तीन सरकारी विद्यालयों के क्षेत्र में सर्वेक्षण कराया गया था। जिसमें 154 निरक्षर लोगों की पहचान की गई थी। रविवार को इनमें से दोपहर 2 बजे तक 129 प्रौढ़ विद्यालय में परीक्षा देने पहुंचे। इसमें 26 पुरुष और 103 महिलाएं शामिल हैं। परीक्षा देने वालों में एक प्रौढ़ दंपति 39 वर्षीय नीलम और 42 वर्षीय प्रमोद ने एक ही बैंच पर बैठकर उल्लास परीक्षा दी। जबकि एक प्रौढ़ महिला भी अपनी छोटी बेटी के साथ परीक्षा देने आई।

अतिथियों ने मेधावियों को किया पुरस्कृत

- मेगा माइंड किड्स स्कूल ने धूमधाम से मनाया वार्षिक उत्सव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

डोभी तालाब स्थित मेगा माइंड किड्स स्कूल में वार्षिक उत्सव व पारितोषिक वितरण समारोह धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्यतिथि विधायक घनश्यामदास सर्राफ, वरिष्ठ अतिथि नगर परिषद चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह व सिटी एसएचओ सत्यनारायण शर्मा ने संयुक्त रूप से मां सरस्वती के समक्ष द्वीप प्रज्ज्वलित करके किया। वहीं विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी लक्ष्मण गौड़, स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्य सुरेन्द्र सिंह राठौर, रामोतार गुप्ता, सत्यनारायण सैनी, राजबाला, कृष्ण सैनी ने शिरकत की। स्कूल प्राचार्या मंजू शर्मा ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अतिथिगणों का स्वागत किया तथा वार्षिक गतिविधियों पर प्रकाश डाला। इस दौरान स्कूली बच्चों ने अनेक प्रकार के सांस्कृतिक, देशभक्ति व रंगारंग कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी।

भिवानी। मुख्यतिथि विधायक घनश्यामदास सर्राफ, नप चेयरपर्सन प्रतिनिधि भवानी प्रताप सिंह को स्मृति चिन्ह भेंट करते आयोजक। फोटो: हरिभूमि

शिविर में 285 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

चरखी दादरी। इंसान के जीवन में सबसे बड़ा धन उसका स्वास्थ्य है, जब कोई भी मानव शारीरिक रूप से ही तंदुरुस्त नहीं होगा तो चाहे उसके पास कितना भी धन वैभव हो, उसे संतुष्टी नहीं मिलेगी, इसलिए कहा भी गया है कि सबसे बड़ा सुख निरोगी काया, ये बात विधायक सुनील सांगवान ने निजी अस्पताल की दूसरी वर्षगांठ पर आयोजित निःशुल्क चिकित्सा शिविर में कही। विधायक सुनील ने कहा कि इंसान निरोगी रहे इसके लिए आवश्यक है कि हम सभी अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखे, नियमित आचार विचार व व्यवहार शैली अपनाए। अपनी दिनचर्या में रोजाना कुछ वक्त सैर, व्यायाम व योग के लिए निकाले, सकारात्मक चिंतन करे अस्वस्थ चिकित्सक से परामर्श लें।

शाम ढलते ही हुडा कॉलोनी में छा जाता अंधेरा

- हाईमास्ट लाइट व स्ट्रीट लाइटों ने तोड़ा दम

हरिभूमि न्यूज ⏭ बवानीखेड़ा

बवानी खेड़ा में हाई मास्ट व स्ट्रीट लाइटों के कारण अंधेरा छाया रहता है जिससे लोगों को खासी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। हुडा कॉलोनीवासियों व शहरवासियों ने बताया कि इस समस्या के कारण हुडा के सभी पार्कों की लोहे की ग्रीलें चोरी हो चुकी हैं और ईंटें भी चोरी होने का भय बना हुआ है इसी को लेकर उन्होंने अपने विचार सांझा किए।

विकास का इंतजार

समाजसेवी एवं डॉ. राजेश कुमार ठकराल ने बताया कि हुडा कॉलोनी में आधा दर्जन से अधिक पार्क हैं लेकिन एक भी पार्क ऐसा नहीं बचा जिसकी ग्रील चोरी न हुई हो। चोर फायदा उठाकर फुर्र हो जाते हैं।

घूमने से डर लगता

समाजसेवी एवं वरिष्ठ नागरिक हनुमान ने बताया कि वे सुबह-शाम घूमने के लिए जाते हैं लेकिन सामान्य अस्पताल से लेकर हुडा कॉलोनी तक लाइट नहीं होने से डर लगता है।

कोई सुविधा नहीं

समाजसेवी एवं बिजनेसमैन ललित जैन ने बताया कि उन्होंने अपने जीवन भर की संपति हुडा कॉलोनी में लगाकर मकान बनाया लेकिन यहां कोई सुविधा नहीं है।

समाधान होगा

विधायक कपूर वाल्मीकि के छोटे भाई राकेश ने बताया कि वे दादूनगरी की हर समस्या से परिचित हैं। जल्द ही शहर की पानी, बिजली, सीवरेज, सफाई व्यवस्था ठीक कराई जाएगी।

रक्तवीर राजेश डुडेजा को सांसद धर्मवीर सिंह ने किया सम्मानित

भिवानी। भिवानी के रक्तवीर राजेश डुडेजा ने लोगों के दिलों पर अमिट छाप छोड़ी है, उन्होंने दूसरों के जीवन को बचाने के लिए लगातार सैंकड़ों बार रक्तदान किया तथा उनकी टीम भी रक्तदान के साथ अन्य लोगों को रक्तदान के प्रति जागरूक करने का प्रयास करती रहती है, ये बात भिवानी-महेंद्रगढ़ लोकसभा सांसद धर्मवीर सिंह ने शतकवीर रक्तदाता राजेश डुडेजा को सम्मानित करते हुए कही। उन्होंने स्मृति चिह्न भेंट कर राजेश डुडेजा को सम्मानित किया। बता दें कि रक्तवीर राजेश डुडेजा की निःस्वार्थ रक्तदान मुहिम को देखते हुए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, पूर्व स्वास्थ्य मंत्री मनसुख मंडविया, तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल, तत्कालीन उपमुख्यमंत्री दुष्यंत चौटाला व राज्यपाल बंडारु दत्तात्रेय से भी सम्मानित हो चुके है। इस मौके पर सांसद धर्मवीर सिंह ने कहा कि राजेश डुडेजा 132 बार रक्तदान कर चुके है, इनकी तरह प्रत्येक व्यक्ति को समाजसेवा में अपना हरसंभव सहयोग देना चाहिए। उन्होंने कहा कि रक्तदान जीवन का सबसे बड़ा पुण्य है, उनके दान के रूप में दी गई रक्त की बूंदें किसी जरूरतमंद को नया जीवन प्रदान करती है, रक्तदान सामाजिक दायित्व है।

गांव लोहानी में परशुराम की प्रतिमा के अनावरण पर बोले कार्तिकेय

भगवान परशुराम के आदर्शों को जीवन में धारण करें

- भगवान परशुराम के आदर्श और सिद्धांतों को अपनाकर ला सकते हैं जीवन में सकारात्मक परिवर्तन: किरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ भिवानी

राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम को सत्य और न्याय के प्रतीक के रूप में जाना जाता है। उन्होंने अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और सत्य के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। विशेषकर युवा पीढ़ी को भगवान परशुराम के आदर्शों को अपने जीवन में धारण करना चाहिए। राज्यसभा सांसद शर्मा रविवार को गांव लोहानी में भगवान परशुराम शर्मा की आदमकद प्रतिमा के अनावरण समारोह को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम में राज्यसभा सांसद किरण चौधरी विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रही। इस दौरान सांसद धर्मबीर सिंह के सुपुत्र मोहित चौधरी भी उपस्थित थे। कार्तिकेय शर्मा ने कहा कि भगवान परशुराम का जीवन पराक्रम त्याग के साथ-साथ ज्ञान के महत्व की शिक्षा देता है। वे शस्त्र विद्या के साथ-साथ शास्त्र के भी बहुत बड़े ज्ञाता थे। शस्त्र विद्या से पहले शास्त्र का ज्ञान होना जरूरी है।

भिवानी। गांव लोहानी में स्थापित की गई भगवान परशुराम की प्रतिमा के समक्ष सांसद कार्तिकेय व किरण चौधरी। फोटो: हरिभूमि

लोहानी-गोलागढ़ के बीच बनेगी भव्य झील

राज्यसभा सांसद किरण चौधरी ने बताया कि सिंचाई तथा महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रुति चौधरी के प्रयासों से लोहानी और गोलागढ़ के बीच जलभराव के क्षेत्र में तोशाम की तरह एक भव्य झील का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि हल्के के विकास में कोई कसर बाकी नहीं रहने दी जाएगी। क्षेत्र का विकास और भी तेज गति से होगा। आढ़तियों की समस्याओं के बारे में मुख्यमंत्री को अवगत करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि केंद्र व प्रदेश सरकार किसानों के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने आमजन से जल संरक्षण का आह्वान करते हुए कहा कि पानी के प्राकृतिक स्त्रोत कम होते जा रहे हैं। पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ता जा रहा है, ऐसे में हमें पानी की एक-एक बूंद को समझना होगा।